राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2794

17 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

नई इस्पात नीति

2794. श्री पलवई गोवर्धन रेड्डी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मंत्रालय एक नई इस्पात नीति बनाने की योजना बना रहा है;
(ख) प्रस्तावित नीति मौजूदा नीति से किस प्रकार भिन्न होगी;
(ग) नई नीति से घरेलू इस्पात निर्माताओं का किस प्रकार बचाव होगा;
(घ) इस्पात के उत्पादन और इसकी घरेलू मांग का ब्यौरा क्या है;
(ङ) मांग और आपूर्ति में अंतर के क्या कारण हैं और मंत्रालय को इसे पूरा करने के लिए आयात क्यों करना पड़ रहा है; और
(च) हुदहुद सुपर समुद्री तुफान के कारण राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, विशाखापत्तनम में इस्पात उत्पादन किस हद तक प्रभावित हुआ?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) से (ग) : जी, हां। नई राष्ट्रीय इस्पात नीति अभी प्रारूप तैयार होने के चरण पर है और इसे अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अतएव, इस अवस्था में कोई ब्यौरे नहीं दिए जा सकते।

(घ) : गत पांच वर्षों के दौरान इस्पात के उत्पादन और घरेलू मांग से संबंधित ब्यौरे निम्नवत हैं:

फिनिश्ड इस्पात का उत्पादन, आयात और निर्यात हजार टन में					
वर्ष	बिक्री हेतु उत्पादन	आयात	निर्यात	शुद्ध आयात	वास्तविक खपत/मांग
2009 - 10	60624	7382	3251	4131	59339
2010 - 11	68620	6664	3637	3027	66421
2011 - 12	75697	6863	4588	2275	71021
2012 - 13	81681	7925	5368	2557	73482
2013-14(आर)	87675	5450	5985	-535	74096
जेपीसी : विभिन्न वर्षों के वार्षिक आंकड़े					

(ङ) : इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और इस प्रकार इस्पात के आयात से संबंधित निर्णय इस्पात मंत्रालय द्वारा नहीं लिए जाते हैं। यह बाजार से निर्णित होता है।

देश में इस्पात का आयात करने के कई कारण हैं और कुछेक महत्वपूर्ण कारण निम्नवत हैं:

- गुणवत्ता पर विचार और क्षमता की अनुपलब्धता के कारण देश में इस्पात के कुछेक ग्रेडों की उपलब्धता न होना।
- किसी ग्रेड के इस्पात की घरेलू मांग कम होने पर कुछेक सुविधाओं की स्थापना के प्रति इस्पात संयंत्रों की अनिच्छा होना, भले ही कंपनियां तकनीकी दृष्टि से इनका उत्पादन करने में सक्षम हो।
- अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कम कीमतें भी आयातों को प्रेरित करती हैं।

(च) : आरआईएनएल का विशाखापतनम में इस्पात का उत्पादन लगभग 2.5 लाख टन अनुमानित किया गया है।

*****